आरती श्री गणेश जी की

उतारें आरती गणपति की
करें प्रार्थना मंगल मूर्ति की
पूरी हो हर कामना मन की
गर हो कृपा उमा नंदन की ॥ धृ.||

रूप लंबोदर गज मुख धारी
सान मूषक पर करे सवारी
बुद्धि दाता वे देवता विघ्नहारी
त्रिलोक में फैली है प्रभा उनकी
उतारें आरती गणपति की ॥१॥

मान उनका प्रथम पूजन का
दिया हुआ सम्मान शिव जी का
शुरू कार्य जो ले के नाम उनका
निश्चित है शुभ समाप्ति उसकी
उतारें आरती गणपति की ॥२॥

- नारायण
०३/३०/१५